



जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(जन-सम्पर्क अनुभाग)
(प्रेस विज्ञप्ति)

उपभोक्ता सेवा सुधार पर संगोष्ठी का आयोजन
उपभोक्ता सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए डिस्कॉम सीएमडी ने तकनीकी कर्मचारियों
को दिए पांच सूत्र

जयपुर, 27 सितम्बर। जयपुर डिस्कॉम के उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए गुरुवार को पुराना पावर हाउस जयपुर में उपभोक्ता सेवा सुधार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में जयपुर नगर वृत्त एवं जयपुर जिला वृत्त के सभी उच्चाधिकारी, अभियन्ता एवं फीडर इंचार्ज उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपभोक्ता सेवाओं में सुधार के लिए डिस्कॉम सीएमडी ने तकनीकी कर्मियों को पांच महत्वपूर्ण सूत्र भी दिए गए।

जयपुर डिस्कॉम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री आर.जी.गुप्ता ने उपभोक्ता सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए फीडर इंचार्ज एवं अन्य तकनीकी कर्मियों को पांच सूत्र बताए, जिसके तहत निगम कर्मियों का उपभोक्ताओं के साथ मित्रवत सम्बन्ध हो। दूसरा उपभोक्ताओं को गुणवत्ता पूर्ण अच्छे वोल्टेज की विद्युत आपूर्ति करना। तीसरा सूत्र ट्रांसफार्मरों को जलने से रोकना, इसमें तकनीकी कर्मचारियों के प्रयासों से ट्रांसफार्मर जलने की दर कम की जा सकती है, जिसमें एमसीसीबी लगाना व सही तरीके से वैल्विंग आदि। चौथा सूत्र फीडर में एटीएण्डसी लॉस को 10 से 15 प्रतिशत की सीमा में लाना व पांचवा सूत्र बिजली कर्मचारी व आमजन की बिजली दुर्घटनाओं को रोकना, इसके लिए सतर्क रहे और सुरक्षा साधनों का उपयोग करें तथा अर्थ करके ही कार्य करें। उन्होंने कहा कि फीडर इंचार्ज को किसी भी काम को छोटा नहीं समझना चाहिए। फीडर इंचार्ज छोटे कार्य को भी अपनी मेहनत, कार्य के प्रति लगन व इमानदारी से बड़ा बना सकते हैं।

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक ने संगोष्ठी में बड़ी संख्या में उपस्थित कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि उपभोक्ता सेवा में सुधार एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसके तहत निगम द्वारा उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही सेवाओं से उनके संतुष्टि के स्तर को बढ़ाने का लगातार प्रयास किया जाना चाहिए और यह कार्य सर्कूलर जारी करने अथवा कानून बनाने से नहीं होगा। इसके लिए नीचे से उपर तक मानसिकता बदलनी होगी और उपभोक्ताओं की शिकायतों को धैर्य से सुनकर उसके तुरन्त निस्तारण की मानसिकता बनानी होगी।

उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने एवं शिकायतों का त्वरित निस्तारण के लिए तथा ट्रांसफार्मर खराब होने अथवा जलने की स्थिति में नए ट्रांसफार्मर को ले जा कर सुरक्षित रूप से शीघ्र बदलकर खराब ट्रांसफार्मर को वापस स्टोर में जमा कराने के लिए जयपुर जिले में जयपुर नगर वृत्त व जयपुर जिला वृत्त के अधीन 10 उपभोक्ता सेवा केन्द्र वर्तमान में कार्यरत हैं एवं 83 फाल्ट रैक्टीफिकेशन टीम (एफआरटी) लगातार उपभोक्ताओं को सेवाएं प्रदान कर रही हैं। इसके अलावा 12 लिपटर इस माह में उपलब्ध करवा दिए जाएंगे।

श्री गुप्ता ने कहा कि आज आमदनी 41 हजार करोड़ की है जबकि बिजली खरीद पर 33 हजार करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं जबकि वर्ष 2013-14 में आमदनी 21 हजार करोड़ थी व बिजली खरीद पर 25 हजार करोड़ रुपए खर्च हो रहे थे। राजस्व बढ़ोतरी में फीडर इंचार्ज का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। टेक्निकल हैल्पर व फीडर इंचार्ज व अन्य कर्मचारी मिल जुलकर कार्य करें और आज एक नया प्रकाश अपने साथ लेकर जाएं।



